धन्यवाद एवं धन्यवादी पर्व की आराधना

(चर्च भवन के प्रथम वर्ष गांठ पर)

ग्रेस चर्च सी.एन.आई. रायपुर (छ.ग.)

डायोसिस आफ छत्तीसगढ़

24 नवम्बर 2013

समय - प्रातः 9:00 बजे

स्थान - सामुदायिक भवन ग्रेस चर्च सी.एन.आई.

बैरन बाजार, रायपुर

अगुवा

रेव्ह. असीम प्रकाश विक्रम

(प्रेसबिटर इंचार्ज)

Scanned with Cam

धन्यवाद एवं धन्यवादी पर्व की आराधना

(चर्च भवन के प्रथम वर्ष गांठ पर)

ग्रेस चर्च सी.एन.आई. रायपुर (छ.ग.)

1. **आराधना की पुकारः–** "उसके फाटको से धन्यवाद और उसके आंगनो में स्तुति करते हुए प्रवेश करो, उसका धन्यवाद करो, और उसके नाम को धन्य कहो। क्योंकि यहोवा भला है, उनकी करूणा सदा के लिए और उसकी सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है। यह तो यहोवा की ओर से हुआ है, यह हमारी दृष्टि से अद्‌भूत है। आज वह दिन है जो यहोवा ने बनाया है हम इसमें मगन और आनंदित हों।"
2. **प्रारंभिक प्रार्थनाः–** रेव्ह. असीम प्रकाश विक्रम
3. **गीत नं. –8**

1. हे मन तू जाग और कर ले गान
   और अपने चैन का कर बखान
   सब सुख है यीशु का प्रेम दान
   वह मंगलदाता है महान
   वह मंगलदाता मंगलदाता
   वह मंगलदाता है महान।।
2. वह देखता था तेरा बिगाड़
   तौभी दुर्गति करके दूर
   है मुक्तिदाता मुक्तिदाता
   है मुक्तिदाता प्रेम से पूर।।
3. जब तेरे बैरी थे अनेक
   न प्रगट हुआ मन का टेक
   तब आया ख्रीष्ट ज्योतिस्वरूप
   वह दयासिन्धु दयासिन्धु
   वह दयासिन्धु था अनूप
4. जब लज्जित हो तू राता था
   जब पाप से क्लेशित होता था
   सदा मसीह था तेरे साथ
   था धीरजदाता तेरा नाथ
   था धीरजदाता धीरजदाता
   था धीरजदाता तेरा नाथ।।

5. **क्लीसियाई प्रार्थना –** श्रीमती फ्रेनी जे. प्रकाश

   दीप प्रज्जवलन

   I. रेव्ह असीम प्रकाश विक्रम
   II. श्री खीष्टोफर चौहान
   III. श्री जे.एल. जेम्स
   IV. श्री वी.के.वानी
   V. श्रीमती एस. युसुफ
   समस्त सदस्यगण

   गीत नं. 38

1. अनादि काल से शरण स्थान
   हमारा तू रहा।
   और अनन्तकाल लों है पिता
   तू वैसा रहेगा।।
2. तेरी छाया में तेरे भक्त
   सदा निडर रहें।
   सो हम भी तेरी शरण में
   बेखटके रहेंगे।।
3. पहाड़ जब तक न बने थे
   न पृथ्वी सृजी थी।
   तब ही से तू परमेश्वर है
   और नित रहेगा भी।।
4. ज्यों रात का पिछला पहर अब
   वेग बीतता जाता है।
   त्यों तेरे लेखे चतुर्युग
   क्षण में निकलता है।।
5. ज्यों धारा बहा करती है
   काल कटते जाते है।
   त्यों पीढ़ी के सब लोग
   सपने से होते हैं।।
6. हे ईश्वर इस दुःख सागर में
   हमारा पालक हो।
   हमारा अब सहायक रह
   और आसरा सदा लों।।

6. **प्रार्थना –**

   I. श्रीमती एन. आसना – (ग्रेस चर्च की यात्रा प्रारंभ से अब तक)
   II. श्री प्रदीप चौहान – (ग्रेस चर्च के निर्माण एवं प्रत्येक सहयोगी एवं प्रथम वर्षगांठ)

7. **स्तुति गान –** 1

   को. आओ हम यहोवा का धन्यवाद करें अपने सारे हृदय से वंदना करें,
   उसके फाटकों में स्तुति करें और ललकारें।

Scanned with Ca

1. जिसने बनाया हमें जो है हमारा आधार,
   जिसने दी हमको श्वास वो है हमारा उद्धार,
   उसकी हो जय जय, हो आराधना वो है सभी का प्रधान।
2. अपने सारे तन मन से हम, प्रभु की महिमा करें,
   जो है शिफा और नजात, उसकी प्रशंसा करें,
   वह है जग का त्राता, और तारणहार उसकी हो जय जय सदा।

2

को. धन्यवाद प्रभु इस दिन के लिए, धन्यवाद प्रभु जीवन के लिए
   धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद

1. आकाश है ऊँचा जैसे प्रभुजी, तेरी धरती पर,
   करूणा है तेरी वैसे प्रभु जी तेरे लोगों पर,
   धन्यवाद प्रभु तेरे प्रेम के लिए,
   धन्यवाद प्रभु सुख चैन के लिए, धन्यवाद।
   धन्यवाद .....
2. उद्‌याचल से अस्ताचल तक जिनती दूर है
   पाप हमारे यीशु तूने हमसे दूर किये हैं
   धन्यवाद प्रभु तेरी दया के लिए धन्यवाद प्रभु
   तेरी क्षमा के लिए धन्यवाद।
   धन्यवाद .....
3. शैतान के फन्दे से हमको प्रभु तूने छुड़ाया है
   शक्ति देकर यीशु हमें, बलवान बनाया है,
   धन्यवाद प्रभु मुक्ति देने के लिए
   धन्यवाद प्रभु शक्ति देने के लिए धन्यवाद।
   धन्यवाद .....

3

को. आज का दिन यहोवा ने बनाया है
   हम इसमें आनन्दित हों आनन्दित हों

1. प्रभु को महिमा मिल चाहे हो मेरा अपमान,
   वह बढ़े मैं घटूं रहें उसी का ध्यान।
2. स्तुति प्रशंसा करें क्यों न कुछ होता रहे,
   उसको हम भाते रहें चाहे जहां भी रहें।
3. आता हूँ तेरे पास मुझको है तुझसे आस,
   मुझको कबूल करले पापों से शुद्ध करदें।

4

को. पवित्र आत्मा आ....2,
   मुझे ले जाओ यीशु के चरणों में
   पवित्र आत्मा आ ...2

1. सिर्फ तेरे लिए यीशु तेरे लिए 3
   मैं हाथ उठाता हूँ
   घुटने टिकाकर सिर झुकाकर
   हाथ उठाता हूँ तेरे लिए 2
   सिर्फ तेरे लिए यीशु तेरे लिए 3
2. यीशु ही मार्ग है यीशु ही सत्य है
   यीशु ही जीवन है यीशु मेरा प्रभु 2

8. उत्तरवादी पाठ–
   भजन सहिता 145:1–13 श्री प्रसन्न जेम्स
9. शास्त्र पठन–
   I. लैव्यवस्था 23:15–22 श्रीमती ई.पी. दत्ता
   II. 1 कुरिन्थियों 1:4–9 श्रीमती रक्षा सिंग
   III. मत्ती 14:13–21 रेव्ह. असीम प्रकाश विक्रम
10. विशेष गीत–

Scanned with Ca

क्वायर द्वारा (वचन की तैयारी में)

11. **संदेश**– रेव्ह. असीम प्रकाश विक्रम
12. **चर्च के प्रथम वर्षगांठ पर केक काटा जाना** –
पासवान एवं समस्त समितिगण
कोरस– धन्यवाद धन्यवाद धन्यवाद
सारी आशिषों के सोते धन्यवाद
सारी आशिषें आती ऊपर ही से
हालिलूल्याह धन्यवाद–
धन्यवाद धन्यवाद धन्यवाद
13. **सूचनाएँ** –
14. **गीत**– मेरे यीशु .....
कोरस–तेरे भवन में आया हूँ
भेट और अर्पण लाया हूँ
जो भी है जो तूने दिया
करता हूँ तेरा शुक्रिया

1. तू ही है मेरा सृजनहार
तेरी पावन दया से
बसा है जहाँ
तू पवित्र है प्रभू तू है महान
तेरी स्तुति महिमा करे बारंबार
मेरे यीशु .....

2. तू ही है मेरा पालनहार
तुझसे मिलती है आशिषें अपार
तू पवित्र है प्रभु तू है महान
तुझे अपर्ण करे भेटे अपार
मेरे यीशु .....

दान संग्रहकर्ता – 1. कु. श्रेया आसना
2. अभिजीत पॉल

धन्यवाद की भेंट व अन्य भेटों का अर्पण किया जाना

15. **समस्त भेटों के लिए प्रार्थना**– रेव्ह असीम प्रकाश विक्रम
16. **प्रभु की प्रार्थना**
17. **आशिष वचन**
18. **गीत नं. – 389**

1. सेवा में सेवा में हम नित्य तत्पर रहें
और यों खीष्ट के आदेश को हम पूरा करें
लेकर उस ही की शक्ति और होकर बलवान
जगत भर में प्रचारें कि सेंतमेंत है त्राण।।

को. करो काम शक्ति भर
करो काम धीरज धर
रख के आश और विश्वास
तन मन से काम कर यीशु का

2. सेवा में सेवा में भूखों को सब खिला
और पियासों को जीवन के सोते पर ला
लेकर क्रूस को हम खीष्ट का फिर करें बयान
जगत भर में प्रचारें कि सेंतमेंत है त्राण।।
3. सेवा में सेवा में जो हम रहें लौलीन
तो हम आगे न होवेंगे मुकुट विहीन
और जब स्वर्ग में नित्य होवे हमारा निज स्थान
तब वहां हम गावेंगे कि सेंतमेंत है त्राण।।

---00---

ग्रेस चर्च भवन के प्रथम वर्षगांठ पर आप सभों को हार्दिक शुभकामनाएँ

रेव्ह. असीम प्रकाश विक्रम	श्री प्रदीप चौहान	श्री प्रसन्न जेम्स
(प्रेसबिटर इन्चार्ज)	(सचिव)	(कोषाध्यक्ष)
9977811038	9425510784	.9752445603

सदस्यगणः– श्रीमती एन. आसना, श्री वी.के. वानी, श्री एस.डी. लाल, श्रीमती रजनी जेम्स, सुश्री मुक्ता आसना, श्रीमती वेरोनिका पॉल, श्री प्रवीण ताण्डी, श्रीमती ई.पी. दत्ता (महिला सभा अध्यक्षा) श्री अर्पित चौहान (जवान सभा अध्यक्ष), श्रीमती अनामिका युसुफ (सण्डे स्कूल अधीक्षिका)

Scanned with Ca